पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)

राज्यपाल ने डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के नैक मूल्यांकन हेतु प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की

क्राइटेरिया सात का पुनर्लेखन करें

समृद्ध भाषा संयोजन में प्रस्तुतिकरण बनाएं

फोटोग्राफ की गुणवत्ता सुधारें गतिविधियुक्त फोटो लगाए, कैप्शन में स्पष्ट विवरण लिखें

अंतर्राष्ट्रीय स्तर की रैंकिंग वाले भारतीय विश्वविद्यालयों से सम्पर्क करके गुणवत्ता सुधार करें

लाभार्थियों के विवरण भी प्रस्तुतिकरण में जोड़े

प्रस्तुतियों की विवरण पुस्तिका भी बनाएं

संयुक्त प्रयास के साथ तैयारी करके सशक्त एस0एस0आर0 दाखिल करें

सभी निर्देशों को सम्पूर्ण सुधार के साथ लागू करें

–राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊः 31 मार्च, 2023

प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज बतौर कुलाध्यक्ष डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के नैक मूल्यांकन हेतु तैयार प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की। विश्वविद्यालय ने अपने प्रथम नैक ग्रेडिंग के लिए तैयार सेल्फ स्टडी रिपोर्ट को सभी सातों मूल्यांकन क्राइटेरिया पर बिंदुवार प्रस्तुतिकरण दिया। राज्यपाल जी ने प्रस्तुतिकरण को सुदृढ़ किए जाने की आवश्यकता पर बल देते हुए क्राइटेरिया सात का पुनर्लेखन करने तथा क्राइटेरिया छः में भी अधिकतम सुधारों के साथ लेखन करने को कहा। उन्होंने कहा कि यह देश में शैक्षिक सुविधाओं की अन्यतम व्यवस्था से सम्पन्न विश्वविद्यालय है, जो अपने विशेष छात्रों के साथ–साथ आम जीवन में दिव्यांगों के जीवन में आशातीत परिवर्तन लाने की क्षमता रखता है। इसलिए नैक ग्रेडिंग के अपने प्रस्तुतिकरण को समृद्ध भाषा संयोजन के साथ प्रस्तुत करें।

प्रस्तुत की गई सेल्फ स्टडी रिपोर्ट (एस0एस0आर0) हाइपर लिंक्स में लगे फोटोग्राफ पर निराशा प्रकट करते हुए राज्यपाल जी ने गुणवत्ता सुधारने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक फोटो विद्यार्थियों की गतिविधि दर्शाने वाला तथा कार्यक्रम के विवरण युक्त कैप्शन के साथ लगाया जाए।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राणा कृष्णपाल सिंह को निर्देश दिया कि वे भारत में अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग वाले विश्वविद्यालयों का भ्रमण करके वहाँ की विशेषताओं के अनुरूप इस विश्वविद्यालय में भी गुणवत्ता सुधार करें। उन्होंने इस संदर्भ में गुजरात में गांधीनगर, सूरत तथा उ0प्र0 के नैक मूल्यांकन में ए ++ ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालयों से सम्पर्क करने पर जोर दिया।

दिव्यांगजनों के लिए विशेषरूप से जनहित कारी कार्यों का अवलोकन करते हुए राज्यपाल जी ने उनके सम्यक प्रस्तुतिकरण के अभाव को लक्ष्य किया। उन्होंने निर्देश दिया कि कृत्रिम अंगों को प्राप्त कर चुके लाभार्थियों के जीवन में आये सकारात्मक बदलावों की सक्सेस स्टोरी भी प्रस्तुत की जाए।

इसी क्रम में राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय को अपना सामुदायिक रेडियो भी प्रारम्भ करने का सुझाव दिया, जिससे मूल्यांकन में अंक गणना को भी बेहतर किया जा सके। उन्होंने सुझाव दिया कि सामुदायिक रेडियो के लिए विश्वविद्यालय लखनऊ के किंग जार्ज मेडिकल कॉलेज द्वारा चलाए जा रहे सामुदायिक रेडियो ''गूंज'' से अपने समय हेतु अनुबंध कर सकता है। उन्होंने सभी क्राइटेरिया में नैक मूल्यांकन हेतु पियर टीम के सुलभ संदर्भ के लिए छोटी–छोटी विवरण पुस्तिकाएं भी बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की नैक ग्रेडिंग हेतु गठित टीम के सभी सदस्य आपसी तालमेल के साथ ए ++ ग्रेड के लिए सशक्त एस0एस0आर0 दाखिल करें। टीम के सभी सदस्य अपने प्रस्तुतिकरण का पुनरावलोकन करें और समीक्षा के दौरान दिए गए सभी निर्देशों को बेहतर सुधारों के साथ लागू करें।

बैठक में अपर मुख्य सचिव राज्यपाल श्रीमती कल्पना अवस्थी, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा श्री पंकज जॉनी, विशेष सचिव दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, विश्वविद्यालय के कुलपति तथा गठित नैक टीम के सभी सदस्य एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

———

डॉ0 सीमा गुप्ता
सूचना अधिकारी, राजभवन
सम्पर्क सूत्र– 8318116361